# *उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण - ति2:2014-15 से ति1:2015-16* *

## 1. परिचय

भारतीय रिज़र्व बैंक जून 2010 से तिमाही आधार पर परिवारों का उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण (सीसीएस) करता रहा है। वर्तमान में, सर्वेक्षण आर्थिक स्थिति, आय, खर्च, मूल्य और रोजगार के अवसर आदि से संबंधित प्रश्नों के गुणवत्तापूर्ण उत्तर (प्रतिक्रियाएं) प्रस्तुत करते हैं। **सर्वेक्षण के निष्कर्ष उत्तर देने वालों के विचारों पर आधारित होते हैं और यह आवश्यक नहीं कि उसमें रिज़र्व बैंक के विचार शामिल हों।** प्रतिक्रियाओं को दो भागों में प्राप्त किया जाता है अर्थात् एक वर्ष पूर्व की तुलना में वर्तमान स्थिति और एक वर्ष आगे की प्रत्याशाएं। सीसीएस के तिमाही निष्कर्ष रिज़र्व बैंक की वेबसाइट पर नियमित रूप से जारी किए जाते हैं। इस लेख में सर्वेक्षण की एक लंबी अवधि के विश्लेषण प्रस्तुत किए गए हैं जिसमें पिछले चार दौर (ति2:2014-15 से ति1:2015-16 तक) के सर्वेक्षणों पर ध्यान दिया गया है।

## 2. नमूना कवरेज और सर्वेक्षण प्रश्नावली

सर्वेक्षण छह महानगरों में किया गया था अर्थात् - बेंगलुरू, चेन्नै, हैदराबाद, कोलकता, मुंबई और नई दिल्ली। सर्वेक्षण के प्रत्येक चक्र में 5,400 प्रतिक्रियादाताओं का चयन किया गया था (प्रत्येक शहर से 900 प्रतिक्रियादाता)। सर्वेक्षण में दो चरणों के नमूना डिजाइन को अपनाया गया है। पहले चरण में शहर में, विभिन्न विधान-क्षेत्रों को क्रमानुसार रखने के बाद व्यवस्थित सैंपलिंग स्कीम का उपयोग करते हुए मतदान केंद्रों का चयन किया गया था। बड़े भू-भाग को कवर करने के लिए पूरे शहर के 45 मतदान का चयन किया गया था। दूसरे चरण में, प्रत्येक चयनित मतदान केंद्र से, दायां-हाथ-नियम का पालन करते हुए 20 प्रतिक्रियादाताओं को चयन किया गया।

2014-15 की तीसरी तिमाही तक, सर्वेक्षण का कार्य चार ब्लॉकों में आयोजित किया गया था जिसमें प्रतिक्रियादाताओं के ब्योरे (ब्लॉक 1), आर्थिक स्थिति (ब्लॉक 2), गृहस्थों की परिस्थितियों तथा आय, व्यय आदि के संबंध में सामान्य राय (ब्लॉक 3) एवं मूल्य स्तर के बारे में उनके विचार (ब्लॉक 4) शामिल हैं। तत्पश्चात् सर्वेक्षण प्रश्नावली को तर्कसंगत बनाया गया था ताकि अधिक फोकस्ड प्रतिक्रियाएं प्राप्त किया जा सके और इस संशोधित सर्वेक्षण प्रश्नावली को मार्च 2015 (ति4:2014-15) के सर्वेक्षण दौर से अमल में लाया गया था। 2014-15 की चौथी तिमाही से, आवश्यक एवं अनावश्यक वस्तुओं पर व्यय तथा परिवारों की वर्तमान वित्तीय स्थिति से संबंधित सूचना भी प्राप्त की जा रही है जबकि चालू ब्याज दर, गृहस्थों की परिस्थितियों, प्रमुख खर्चों के परिव्यय अर्थात् मोटर वाहन, मकान, टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं पर व्यय आदि से संबंधित प्रश्नों को छोड़ दिया गया। गुणवत्तापूर्ण जानकारी तीन बिंदु पैमाने अर्थात् सकारात्मक /कोई परिवर्तन नहीं / नकारात्मक पर प्राप्त की गई। सर्वेक्षण के लिए प्रयोग की गई संशोधित प्रश्नावली रिज़र्व बैंक की वेबसाइट में उपलब्ध है।[1]

## 3. सर्वेक्षण परिणाम

सर्वेक्षण के परिणाम प्रत्येक कारक के हिसाब से उन पर प्राप्त कुल प्रतिक्रिया (सकारात्मक और नकारात्मक दृष्टिकोणों के बीच का अंतर) के अनुसार दिए गए हैं। इस लेख में, *वर्तमान* का प्रयोग एक वर्ष पहले की तुलना में वर्तमान स्थिति तथा *भावी* का प्रयोग एक वर्ष आगे की अवधि की प्रत्याशाओं के लिए किया गया है।

### 3.1 आर्थिक स्थिति

पिछले एक वर्ष के दौरान, अर्थात्, 2014-15 की दूसरी तिमाही से 2015-16 की पहली तिमाही तक वर्तमान आर्थिक स्थितियों के संबंध में प्रतिक्रियादाताओं के दृष्टिकोण में सुधार के संकेत दिखाई दिए। वर्तमान आर्थिक स्थिति के संबंध में कुल प्रतिक्रिया, जो 2014-15 की दूसरी तिमाही में नकारात्मक थी, तत्पश्चात् सकारात्मक हो गई और 2014-15 की चौथी तिमाही में 15.8 प्रतिशत पर रही। फिर भी यह 2015-16 की पहली तिमाही में घटकर 14.0 प्रतिशत रह गई। ऐसे प्रतिक्रियादाताओं जिन्होंने वर्तमान आर्थिक स्थितियों में सुधार रिपोर्ट किया है, उनका अनुपात गत चार तिमाहियों में लगातार बढ़ा है (सारणी 1)।

---

* सांख्यिकी और सूचना प्रबंध विभाग, भारतीय रिज़र्व बैंक, नई दिल्ली में तैयार किया गया। सर्वेक्षण के नवीनतम दौर (जून 2015) के आंकड़े को मौद्रिक नीति विवरण के साथ 4 अगस्त 2015 को रिज़र्व बैंक की वेबसाइट पर जारी किया गया था। इस विषय पर पिछला वार्षिक लेख रिज़र्व बैंक के सितंबर 2014 बुलेटिन में प्रकाशित किया गया था।

[1] http://rbidocs.rbi.org.in/rdocs/Forms/PDFs/IE2593F080615.PDF

**चार्ट 1: आर्थिक स्थिति के संबंध में निवल प्रतिक्रिया**

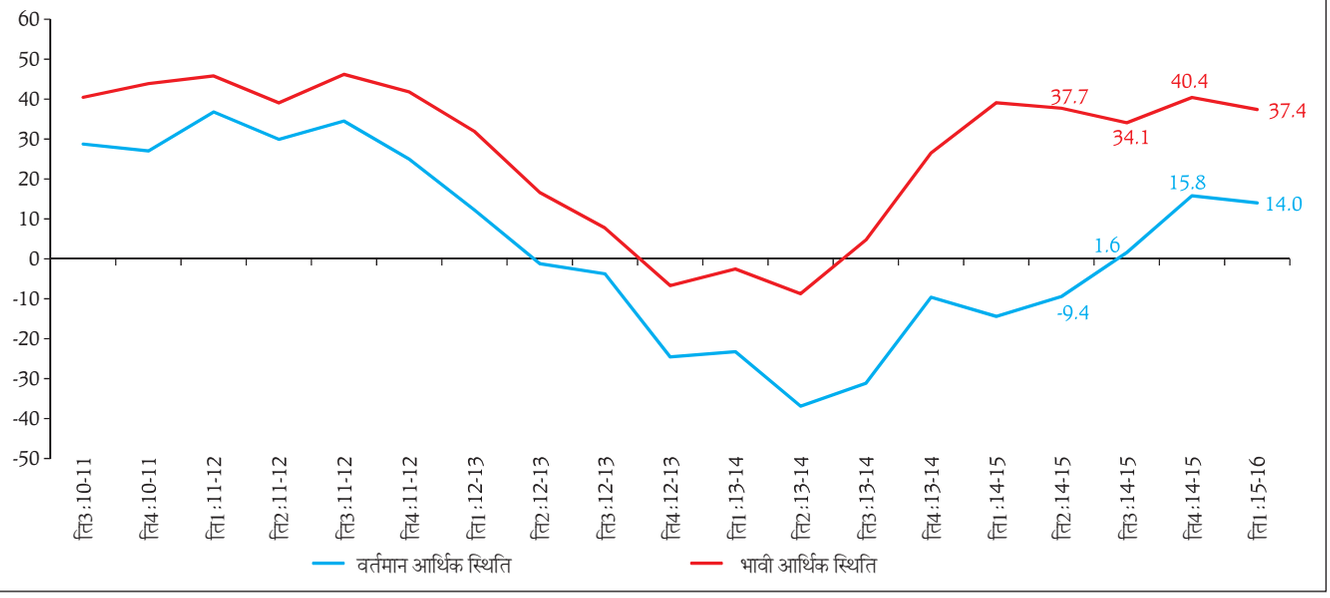


2014-15 की तीसरी तिमाही से 2015-16 की पहली तिमाही के दौरान, देश की भावी आर्थिक परिस्थिति के संबंध में प्रतिक्रियादाताओं के दृष्टिकोणों में सुधार पाया गया था। इस अवधि में कुल प्रतिक्रिया 34.1 से बढ़कर 37.4 प्रतिशत हो गई। भावी आर्थिक स्थिति के बारे में सकारात्मक दृष्टिकोण वर्तमान आर्थिक स्थिति के दृष्टिकोण से लगातार बेहतर रहा है (चार्ट 1)। फिर भी, वर्तमान और भावी आर्थिक स्थितियों की कुल प्रतिक्रियाओं के बीच का अंतर पिछली कुछ तिमाहियों में कम हुआ है।

### 3.2 आय

गत चार तिमाहियों में वर्तमान एवं भावी आय के संबंध में दृष्टिकोणों में गिरावट की प्रवृत्ति देखी गई। वर्तमान आय संबंधी दृष्टिकोण भावी आय के दृष्टिकोण की तुलना में लगातार कम बना रहा है, लेकिन 2015-16 की पहली तिमाही में इन दोनों के बीच का अंतर सीमांत रूप से घटा (चार्ट 2)।

ऐसे प्रतिक्रियादाताओं जिन्होंने गत वर्ष की तुलना में अधिक आय रिपोर्ट किया है उनका अनुपात 2014-15 की दूसरी तिमाही के 47.2 प्रतिशत से लगातार घटते हुए 2015-16 की पहली तिमाही में 34.9 प्रतिशत रह गया यद्यपि गिरावट की गति कम हो गई है। भावी आय संबंधी प्रत्याशाओं के बारे में इस अनुपात में भी एक जैसी प्रवृत्ति देखी गई लेकिन सभी चार तिमाहियों में 50 प्रतिशत से अधिक रहा। लगभग 38-48 प्रतिशत प्रतिक्रियादाताओं ने सूचित किया है कि उनकी आय का स्तर पिछले वर्ष के स्तर के समान ही बना रहा है। भावी आय का समवर्ती अनुपात 28 से 36 प्रतिशत के बीच रहा (सारणी 2)।

**चार्ट 2: आय के संबंध में निवल प्रतिक्रिया**

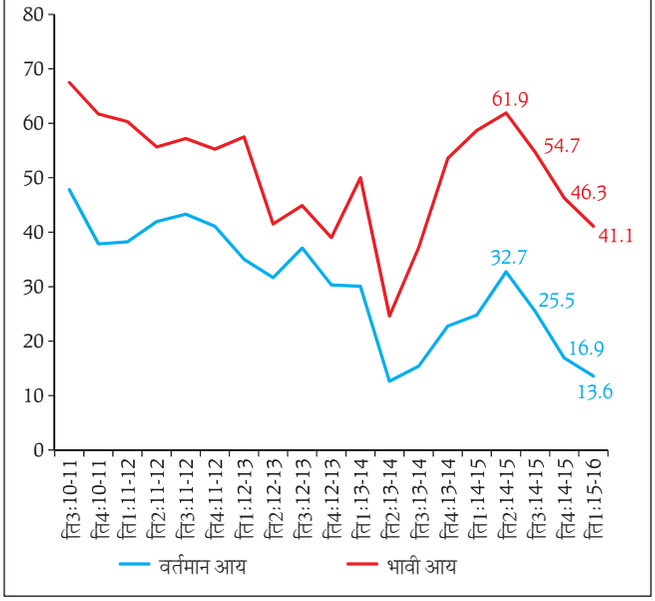

### 3.3 खर्च

अधिकांश प्रतिक्रियादाताओं ने गत वर्ष की तुलना में चालू वर्ष में अधिक खर्च होने की सूचना दी है। पहली तीन तिमाहियों में कुल प्रतिक्रिया 70 प्रतिशत से अधिक रही एवं यह 2015-16 की पहली तिमाही में और बढ़कर 84 प्रतिशत हो गई। भावी खर्च संबंधी कुल प्रतिक्रिया बहुत कम रही एवं 2014-15 की दूसरी तिमाही के 12.4 प्रतिशत से घटकर 2014-15 की तीसरी तिमाही में 6.4 प्रतिशत रह गई (सारणी 3)। तथापि, भावी खर्च संबंधी कुल प्रतिक्रिया 2014-15 की चौथी तिमाही में तेजी से बढ़ी एवं वह 2015-16 की पहली तिमाही में और सुदृढ़ हुई तथा अपनी उच्चतम स्तर पर पहुंची (82.0 प्रतिशत) (चार्ट 3)।

जहां तक आवश्यक मदों पर खर्च करने से संबंधित दृष्टिकोणों की बात है, लगभग 87 प्रतिक्रियादाताओं ने 2015-16 की पहली तिमाही में वर्तमान एवं भावी अवधि में खर्च बढ़ने की सूचना दी है। इसके साथ-साथ, 2015-16 की पहली तिमाही में, अनावश्यक खर्च संबंधी वर्तमान एवं भावी दृष्टिकोणों में वृद्धि सूचित करने वाले प्रतिक्रियादाताओं का अनुपात भी 2014-15 की चौथी तिमाही की तुलना में बढ़ा एवं क्रमशः लगभग 47 प्रतिशत और 52 प्रतिशत रहा।

आय में वृद्धि, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं में अधिक व्यय एवं उपभोक्ता वस्तुओं एवं सेवाओं की लागत में वृद्धि ऐसे प्रमुख कारक सूचित किए गए हैं जिसकी वजह से वर्तमान अवधि में अधिक खर्च हुआ है।

### 3.4 मूल्य स्तर और मुद्रास्फीति के बारे में दृष्टिकोण

2014-15 की दूसरी और चौथी तिमाही के बीच मूल्य स्तर एवं मुद्रास्फीति संबंधी संवेदनाओं में सुधार हुआ लेकिन 2015-16 की पहली तिमाही में विपरीत हो गईं। एक वर्ष पहले की तुलना में कीमतों में वृद्धि सूचित करने वाले प्रतिक्रियादाताओं का अनुपात पिछले चार दौर के दौरान 92.1 प्रतिशत से घटकर 84.3 प्रतिशत रह गया, जो 2014-15 की चौथी तिमाही में 78.8 प्रतिशत के निम्न स्तर पर रहा। इसी प्रकार, अगले एक वर्ष में कीमतों में वृद्धि की उम्मीद रखने वाले प्रतिक्रियादाताओं का अनुपात 2014-15 की दूसरी तिमाही के 77.6 प्रतिशत से घटकर 2014-15 की चौथी तिमाही में 73.9 प्रतिशत रह गया (सारणी 4)। इस प्रकार, वर्तमान कीमत के स्तर की कुल प्रतिक्रियाएं अत्यधिक नकारात्मक रहीं, जबकि पिछली चार तिमाहियों में थोड़ा सुधार पाया गया था (चार्ट 4)। फिर भी, कीमत संबंधी प्रत्याशाओं के संबंध में कुल प्रतिक्रिया 2014-15 की तीसरी तिमाही और 2015-16 की पहली तिमाही के बीच बदतर हुई।

जिन प्रतिक्रियादाताओं ने कीमत के स्तरों में वृद्धि की सूचना दी/उम्मीद रखी थी, उनसे आगे पूछा गया कि क्या कीमत वृद्धि की दर (अर्थात् मुद्रास्फीति) एक वर्ष पहले एवं एक वर्ष बाद की तुलना

**चार्ट 3: खर्च के संबंध में निवल प्रतिक्रिया**

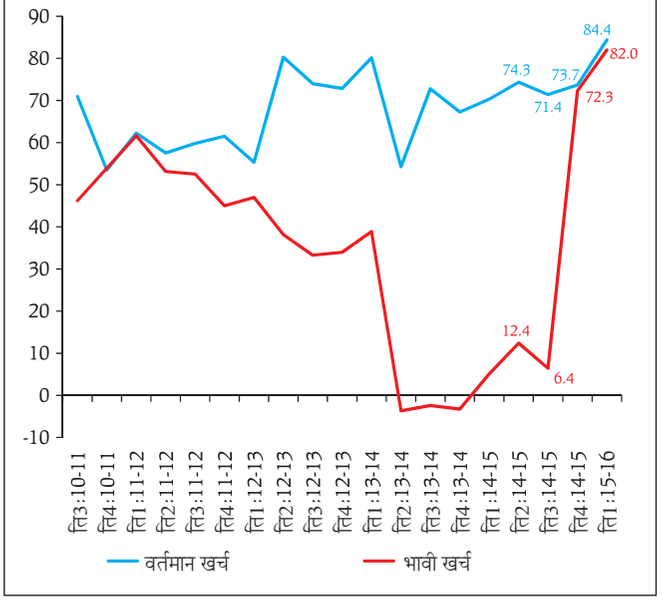


**चार्ट 4: मूल्य स्तर के संबंध में निवल प्रतिक्रिया**

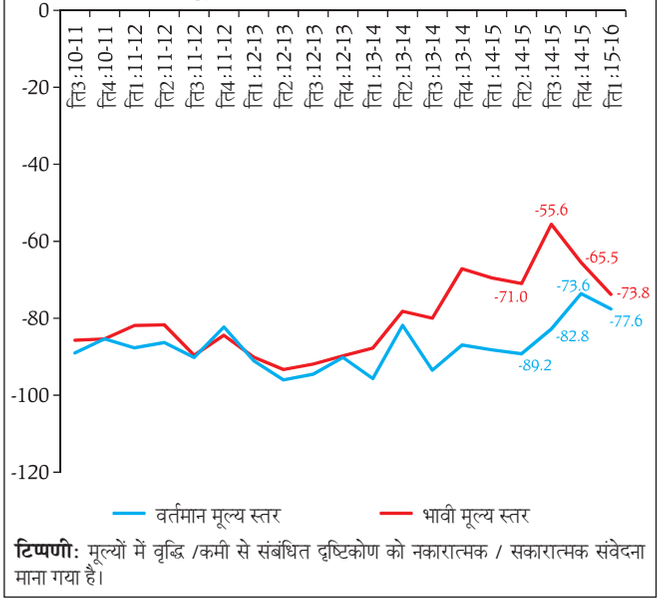


**टिप्पणी:** मूल्यों में वृद्धि /कमी से संबंधित दृष्टिकोण को नकारात्मक / सकारात्मक संवेदना माना गया है।

**चार्ट 5: मूल्य स्तरों में परिवर्तन-दर के संबंध में निवल प्रतिक्रिया**

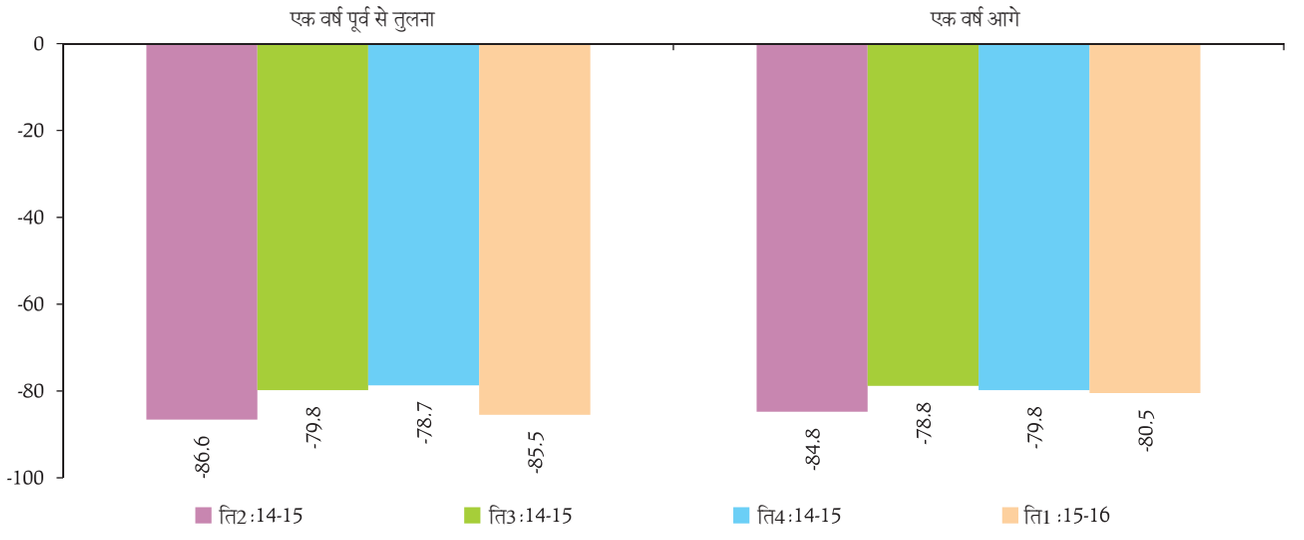


**टिप्पणी:** मूल्यों में वृद्धि /कमी से संबंधित दृष्टिकोण को नकारात्मक / सकारात्मक संवेदना माना गया है।

में अधिक (या समान या कम) होगी। कीमत के स्तर में परिवर्तन के संबंध में कुल प्रतिक्रियाओं को चार्ट 5 में प्रस्तुत किया गया है। लगभग तीन-चौथाई प्रतिक्रियादाता अगले एक वर्ष में मुद्रास्फीति में वृद्धि की उम्मीद रखते हैं (सारणी 5)।

### 3.5 रोजगार

रोजगार के संबंध में प्रतिक्रियादाता वर्तमान परिदृश्य की तुलना में एक वर्ष पहले आशावादी दृष्टिकोण रखते थे जैसा रोजगार दृष्टिकोण संबंधी कुल प्रतिक्रियाओं से पता चलता है (चार्ट 6)। फिर भी, भावी रोजगार के साथ-साथ वर्तमान रोजगार संबंधी संवेदनाओं में 2014-15 की तीसरी तिमाही और 2015-16 की पहली तिमाही के बीच गिरावट देखी गई (सारणी 8)।

### 3.6 आय *बनाम* खर्च एवं मुद्रास्फीति *बनाम* खर्च

सारणी 6 में पिछले चार दौरों की आय और खर्च संबंधी प्रतिक्रियाओं की तुलनात्मक सारणी दी गई है। लगभग 30-40 प्रतिशत प्रतिक्रियादाता, जिन्होंने वर्तमान खर्च में वृद्धि की सूचना दी है, वर्तमान आय में वृद्धि से भी संबंधित थे। आश्चर्यजनक बात है कि, जिन प्रतिक्रियादाताओं ने वर्तमान खर्च में वृद्धि की सूचना दी है और जिनकी वर्तमान आय या तो समान है या कम, उन्होंने पिछली चार तिमाहियों में वृद्धि की प्रवृत्ति दर्शाई अर्थात् 2014-15 की दूसरी तिमाही के 38 प्रतिशत से बढ़कर 2015-16 की पहली तिमाही में 55.5 प्रतिशत। इसी प्रकार, पिछली दो तिमाहियों में अधिक भावी खर्च की प्रत्याशा करने वाले प्रतिक्रियादाताओं के अनुपात में तेजी से वृद्धि आंशिक रूप से भावी आय में वृद्धि से संबंधित थी, जबकि समान या निम्न भावी आय युक्त उनका हिस्सा भी अधिक था।

**चार्ट 6: रोजगार दृष्टिकोण संबंधी निवल प्रतिक्रिया**

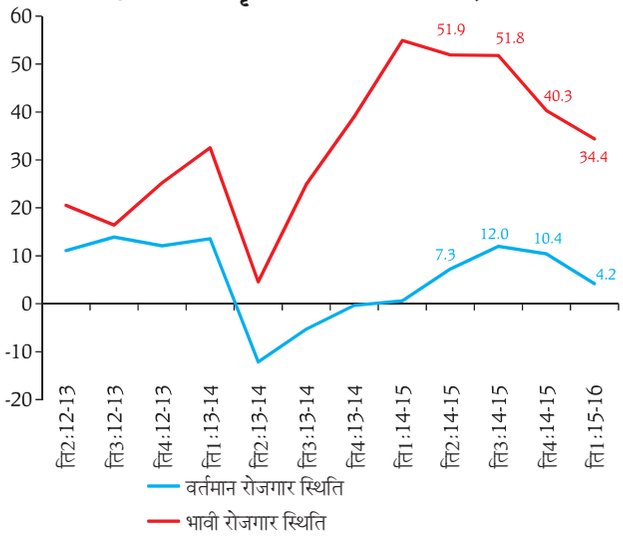


**टिप्पणी:** वर्तमान रोजगार दृष्टिकोण संबंधी प्रतिक्रिया ति2 : 2012-13 से प्राप्त की थी।

खर्च संबंधी दृष्टिकोणों के बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए, पिछले चार दौरों में मुद्रास्फीति और खर्च संबंधी प्रतिक्रियाओं की तुलनात्मक सारणी का परिकलन किया गया है (सारणी 7)। इन प्रतिक्रियाओं के विश्लेषण से पता चलता है कि लगभग 70-80 प्रतिशत प्रतिक्रियादाताओं, जिन्होंने अधिक वर्तमान खर्च सूचित किया है वर्तमान ऊंची मंहगाई भी सूचित किया है। भावी खर्च में वृद्धि का प्रत्याशित मुद्रास्फीति में वृद्धि के साथ संबंध भी पिछली दो तिमाहियों में तेजी से बढ़ा और यह 2014-15 की दूसरी तिमाही के लगभग 36 प्रतिशत से बढ़कर 2015-16 की पहली तिमाही में 75 प्रतिशत हो गया।

## 3.7 उपभोक्ता विश्वास सूचकांक

### *3.7.1 वर्तमान स्थिति सूचकांक (सीएसआई) और भावी प्रत्याशा सूचकांक (एफईआई)*

उपभोक्ता विश्वास सूचकांकों (सीएसआई एवं एफईआई) का परिकलन आर्थिक स्थितियों, आय, खर्च, रोजगार की स्थितियों और मूल्य स्तरों के संबंध में निवल प्रतिक्रियाओं का उपयोग करते हुए किया गया है (कार्य-प्रणाली के लिए अनुबंध 1 देखें)।

वर्तमान स्थिति सूचकांक (सीएसआई) एवं भावी प्रत्याशा सूचकांक (एफईआई) की बढ़ती प्रवृत्ति संदर्भाधीन वर्ष में भी जारी रही। तथापि, गत दो वर्षों में (सीएसआई के लिए 108.6 एवं एफईआई के लिए 126.7) 2014-15 की चौथी तिमाही में उनके उच्चतम स्तर पर पहुंचने के बाद सूचकांकों में 2015-16 की पहली तिमाही में मामूली गिरावट आई (चार्ट 7 एवं सारणी 9)। संपूर्ण उपभोक्ता विश्वास सूचकांकों में इस अवधि के दौरान देखा गया भारी सुधार कतिपय चयनित कारकों (यथा, आर्थिक स्थितियां, खर्च एवं मूल्य स्तर) के संबंध में सकारात्मक दृष्टिकोणों में वृद्धि की बदौलत था।

### 3.7.2 अनुमानों की दृढ़ता

अनुमानों की गुणवत्ता का मूल्यांकन करने के लिए बूटस्ट्रैप विधि का उपयोग करते हुए सीएसआई और एफईआई हेतु विश्वास अंतराल का अनुमान निकाला गया है। सिम्पल रैंडम सैंपलिंग विद रिप्लेसमेंट (एसआरएसडब्ल्यूआर) के माध्यम से चुने गए 10,000 पुनः नमूने के आधार पर सीएसआई और एफईआई हेतु 99 प्रतिशत बूटस्ट्रैप विश्वास अंतराल सारणी 10 में दिए गए हैं। सीमित विश्वास अंतराल (1.9 से 2.6 के बीच) सीएसआई और एफईआई के अनुमानों की दृढ़ता को दर्शाता है।

## 3.8 सारांश

उपभोक्ता विश्वास सूचकांक, नामतः, वर्तमान स्थिति सूचकांक एवं भावी प्रत्याशा सूचकांक ने गत एक वर्ष के दौरान सुधार दर्शाया, यद्यपि, जून 2015 दौर में थोड़ी कमी आई। तथापि, सूचकांकों को

**चार्ट 7: वर्तमान स्थिति सूचकांक एवं भावी प्रत्याशा सूचकांक**

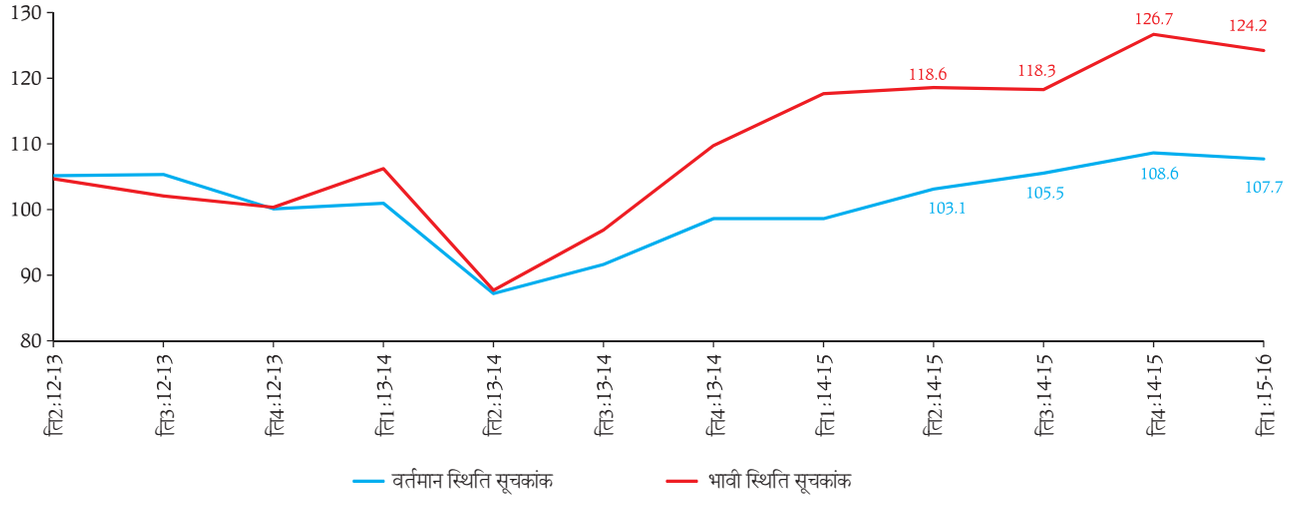


**टिप्पणी:** ति2:2012-13 से पहले, सीएसआई आर्थिक स्थिति, आय, खर्च, एवं मूल्य स्तर पर आधारित था। वर्तमान अवधि के लिए रोजगार परिदृश्य संबंधी दृष्टिकोण ति2:2012-13 से पहले प्राप्त नहीं किया गया था। तुलना योग्य आंकड़े के मामले में सीएसआई एवं एफईआई का पुनर्परिकलन किया गया है और पूर्व में प्रकाशित आंकड़े से मेल नहीं खाता।

तैयार करने के लिए उपयोग किए गए विभिन्न कारकों को देखने से मिश्रित प्रवृत्ति का पता चलता है। 2014-15 की दूसरी तिमाही एवं 2014-15 की चौथी तिमाही में आर्थिक स्थितियों, खर्च एवं मूल्य स्तरों के सकारात्मक दृष्टिकोणों में सुधार पाया गया। तथापि, इस अवधि में आय और रोजगार परिदृश्य संबंधी दृष्टिकोणों में गिरावट की प्रवृत्ति देखी गई। भावी आर्थिक स्थितियों, आय और रोजगार परिदृश्य में आशावादिता का स्तर, पहले जैसा, वर्तमान स्थिति की अपेक्षा लगातार अधिक रहा। यह भी पाया गया है कि वर्तमान और भावी खर्च संबंधी संवेदना में सुधार ऊंची मुद्रास्फीति दृष्टिकोण से संबंधित है।

## अनुबंध 1 - आंकड़ा सारणी

### सारणी 1: आर्थिक स्थिति के संबंध में मत

(प्रतिक्रिया प्रतिशत)

| | 1-वर्ष पूर्व से तुलना | | | | 1-वर्ष आगे | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ति2:14-15 | ति3:14-15 | ति4:14-15 | ति1:15-16 | ति2:14-15 | ति3:14-15 | ति4:14-15 | ति1:15-16 |
| सुधार | 29.3 | 30.2 | 41.7 | 43.1 | 54.8 | 50.9 | 56.8 | 57.6 |
| समान | 32.1 | 41.2 | 32.4 | 27.8 | 28.1 | 32.3 | 26.8 | 22.3 |
| खराब | 38.7 | 28.6 | 25.9 | 29.1 | 17.1 | 16.8 | 16.4 | 20.2 |
| **निवल प्रतिक्रिया** | **-9.4** | **1.6** | **15.8** | **14.0** | **37.7** | **34.1** | **40.4** | **37.4** |

### सारणी 2: आय के संबंध में दृष्टिकोण

(प्रतिक्रिया प्रतिशत)

| | 1-वर्ष पूर्व से तुलना | | | | 1-वर्ष आगे | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ति2:14-15 | ति3:14-15 | ति4:14-15 | ति1:15-16 | ति2:14-15 | ति3:14-15 | ति4:14-15 | ति1:15-16 |
| वृद्धि | 47.2 | 38.7 | 35.4 | 34.9 | 67.0 | 59.8 | 55.4 | 52.7 |
| समान | 38.4 | 48.0 | 46.1 | 43.7 | 27.8 | 35.1 | 35.5 | 35.6 |
| गिरावट | 14.4 | 13.2 | 18.5 | 21.4 | 5.1 | 5.1 | 9.1 | 11.6 |
| **निवल प्रतिक्रिया** | **32.7** | **25.5** | **16.9** | **13.6** | **61.9** | **54.7** | **46.3** | **41.1** |

### सारणी 3: खर्च के संबंध में दृष्टिकोण

(प्रतिक्रिया प्रतिशत)

| | 1-वर्ष पूर्व से तुलना | | | | 1-वर्ष आगे | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ति2:14-15 | ति3:14-15 | ति4:14-15 | ति1:15-16 | ति2:14-15 | ति3:14-15 | ति4:14-15 | ति1:15-16 |
| वृद्धि | 78.1 | 75.7 | 80.0 | 87.4 | 41.9 | 35.6 | 78.3 | 86.2 |
| समान | 18.2 | 20.0 | 13.7 | 9.5 | 28.6 | 35.3 | 15.8 | 9.6 |
| गिरावट | 3.8 | 4.3 | 6.3 | 3.1 | 29.5 | 29.2 | 6.0 | 4.2 |
| **निवल प्रतिक्रिया** | **74.3** | **71.4** | **73.7** | **84.4** | **12.4** | **6.4** | **72.3** | **82.0** |

### सारणी 4: मूल्य स्तर के संबंध में दृष्टिकोण

(प्रतिक्रिया प्रतिशत)

| | 1-वर्ष पूर्व से तुलना | | | | 1-वर्ष आगे | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ति2:14-15 | ति3:14-15 | ति4:14-15 | ति1:15-16 | ति2:14-15 | ति3:14-15 | ति4:14-15 | ति1:15-16 |
| वृद्धि | 92.1 | 85.1 | 78.8 | 84.3 | 77.6 | 66.7 | 73.9 | 82.3 |
| समान | 5.1 | 12.6 | 16.0 | 9.1 | 15.8 | 22.2 | 17.7 | 9.1 |
| गिरावट | 2.8 | 2.3 | 5.2 | 6.6 | 6.6 | 11.1 | 8.4 | 8.5 |
| **निवल प्रतिक्रिया** | **-89.2** | **-82.8** | **-73.6** | **-77.6** | **-71.0** | **-55.6** | **-65.5** | **-73.8** |

**टिप्पणी:** मूल्यों में वृद्धि /कमी से संबंधित दृष्टिकोण को नकारात्मक / सकारात्मक संवेदना माना गया है।

## सारणी 5: मूल्य स्तर में परिवर्तन दर के संबंध में दृष्टिकोण (मुद्रास्फिति)

(प्रतिक्रिया प्रतिशत)

| | 1-वर्ष पूर्व से तुलना | | | | 1-वर्ष आगे | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ति2:14-15 | ति3:14-15 | ति4:14-15 | ति1:15-16 | ति2:14-15 | ति3:14-15 | ति4:14-15 | ति1:15-16 |
| वृद्धि | 88.2 | 81.9 | 82.5 | 87.9 | 85.9 | 81.0 | 83.5 | 83.8 |
| समान | 10.2 | 15.9 | 13.7 | 9.7 | 13.1 | 16.9 | 12.7 | 12.9 |
| गिरावट | 1.6 | 2.2 | 3.8 | 2.4 | 1.1 | 2.1 | 3.7 | 3.3 |
| **निवल प्रतिक्रिया** | **-86.6** | **-79.8** | **-78.7** | **-85.5** | **-84.8** | **-78.8** | **-79.8** | **-80.5** |

**टिप्पणी:** मूल्यों में वृद्धि /कमी से संबंधित दृष्टिकोण को नकारात्मक / सकारात्मक संवेदना माना गया है।

## सारणी 6: आय और व्यय की तुलनात्मक सारणी

(प्रतिक्रिया प्रतिशत)

| आय \ व्यय | | वर्तमान आय बनाम वर्तमान व्यय | | | भावी आय बनाम भावी व्यय | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | वृद्धि | समान | गिरावट | वृद्धि | समान | गिरावट |
| ति2: 2014-15 | वृद्धि | 40.1 | 6.4 | 0.7 | 31.1 | 16.7 | 19.2 |
| | समान | 27.7 | 9.2 | 1.5 | 9.2 | 10.6 | 8.0 |
| | गिरावट | 10.3 | 2.5 | 1.6 | 1.6 | 1.2 | 2.3 |
| ति3: 2014-15 | वृद्धि | 31.1 | 6.6 | 1.0 | 23.4 | 17.9 | 18.5 |
| | समान | 35.2 | 11.1 | 1.7 | 10.8 | 15.6 | 8.7 |
| | गिरावट | 9.4 | 2.3 | 1.6 | 1.3 | 1.8 | 2.0 |
| ति4: 2014-15 | वृद्धि | 31.3 | 2.9 | 1.2 | 47.2 | 5.8 | 2.5 |
| | समान | 34.5 | 9.0 | 2.6 | 24.3 | 9.0 | 2.2 |
| | गिरावट | 14.1 | 1.9 | 2.5 | 6.8 | 1.0 | 1.3 |
| ति1: 2015-16 | वृद्धि | 31.9 | 2.2 | 0.8 | 46.9 | 3.2 | 2.6 |
| | समान | 37.0 | 5.7 | 1.0 | 29.1 | 5.7 | 0.9 |
| | गिरावट | 18.5 | 1.7 | 1.2 | 10.1 | 0.7 | 0.8 |

## सारणी 7: आय और व्यय की तुलनात्मक सारणी

(प्रतिक्रिया प्रतिशत)

| मुद्रास्फीति \ व्यय | | वर्तमान मुद्रास्फीति बनाम वर्तमान व्यय | | | भावी मुद्रास्फीति बनाम भावी व्यय | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | वृद्धि | समान | गिरावट | वृद्धि | समान | गिरावट |
| ति2: 2014-15 | वृद्धि | 72.2 | 7.4 | 1.4 | 36.0 | 7.0 | 0.5 |
| | समान | 13.0 | 2.4 | 0.2 | 22.1 | 3.6 | 0.4 |
| | गिरावट | 3.0 | 0.4 | 0.0 | 27.8 | 2.5 | 0.2 |
| ति3: 2014-15 | वृद्धि | 68.3 | 11.3 | 1.3 | 33.0 | 7.3 | 0.4 |
| | समान | 10.8 | 4.0 | 0.6 | 24.6 | 5.8 | 0.6 |
| | गिरावट | 2.8 | 0.6 | 0.3 | 23.4 | 3.8 | 1.1 |
| ति4: 2014-15 | वृद्धि | 71.2 | 11.1 | 3.0 | 71.3 | 9.6 | 3.1 |
| | समान | 8.2 | 2.0 | 0.6 | 9.8 | 2.7 | 0.4 |
| | गिरावट | 3.0 | 0.6 | 0.2 | 2.5 | 0.5 | 0.2 |
| ति1: 2015-16 | वृद्धि | 80.7 | 8.5 | 2.0 | 74.9 | 11.3 | 2.9 |
| | समान | 5.5 | 1.0 | 0.2 | 7.0 | 1.2 | 0.2 |
| | गिरावट | 1.6 | 0.2 | 0.2 | 1.8 | 0.4 | 0.2 |

**टिप्पणी:** पंक्तियों का जोड़ व्यय संबंधी सारणी के जोड़ से मेल नहीं खाता (सारणी 3) क्योंकि मुद्रास्फीति के बारे में प्रतिक्रिया केवल उन प्रतिक्रियादाताओं से मांगी गई जिनके मूल्यांकन/ प्रत्याशा के अनुसार मूल्यों में वृद्धि हुई है/ वर्तमान या भावी अवधि में वृद्धि होगी।

## सारणी 8: रोजगार के संबंध में वर्तमान एवं भावी दृष्टिकोण

(प्रतिक्रिया प्रतिशत)

| | 1-वर्ष पूर्व से तुलना | | | | 1-वर्ष आगे | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | ति2:14-15 | ति3:14-15 | ति4:14-15 | ति1:15-16 | ति2:14-15 | ति3:14-15 | ति4:14-15 | ति1:15-16 |
| वृद्धि | 36.0 | 36.1 | 37.6 | 36.0 | 61.4 | 61.1 | 55.8 | 53.7 |
| समान | 35.3 | 39.7 | 35.3 | 32.2 | 29.0 | 29.7 | 28.7 | 26.9 |
| खराब | 28.7 | 24.1 | 27.2 | 31.8 | 9.5 | 9.3 | 15.5 | 19.4 |
| निवल प्रतिक्रिया | 7.3 | 12.0 | 10.4 | 4.2 | 51.9 | 51.8 | 40.3 | 34.4 |

**टिप्पणी:** वर्तमान रोजगार दृष्टिकोण के संबंध में प्रतिक्रिया 2012-13 की दूसरी तिमाही से जुटाई गई है।

## सारणी 9: वर्तमान एवं भावी प्रत्याशा सूचकांक

| | ति2: 12-13 | ति3: 12-13 | ति4: 12-13 | ति1: 13-14 | ति2: 13-14 | ति3: 13-14 | ति4: 13-14 | ति1: 14-15 | ति2: 14-15 | ति3: 14-15 | ति4: 14-15 | ति1: 15-16 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सीएसआई | 105.2 | 105.3 | 100.1 | 101.0 | 87.2 | 91.6 | 98.6 | 98.6 | 103.1 | 105.5 | 108.6 | 107.7 |
| एफईआई | 104.7 | 102.1 | 100.4 | 106.2 | 87.7 | 96.9 | 109.7 | 117.7 | 118.6 | 118.3 | 126.7 | 124.2 |

**टिप्पणी:** 2012-13 की दूसरी तिमाही से पहले सीएसआई आर्थिक स्थितियों, आय, खर्च एवं मूल्य स्तर पर आधारित था। वर्तमान अवधि के लिए रोजगार परिदृश्य संबंधी दृष्टिकोण 2012-13 की दूसरी तिमाही से पहले जुटाया नहीं गया था। सीएसआई एवं एफईआई के तुलना योग्य आंकड़ों का पुनर्परिकलन किया गया है और हो सकता है कि पूर्व में प्रकाशित आंकड़ों से मेल नहीं खाए।

## सारणी 10: 10,000 पुन: नमूनों पर आधारित 99% बूटस्ट्रैप विश्वास अंतराल (बीसीआई)

| सर्वेक्षण तिमाही | सीएसआई | | एफईआई | |
|---|---|---|---|---|
| | आकलन हेतु 99% बीसीआई | अंतराल की चौड़ाई | आकलन हेतु 99% बीसीआई | अंतराल की चौड़ाई |
| ति2:14-15 | (102.2, 104.1) | 2.0 | (117.6, 119.6) | 2.0 |
| ति3:14-15 | (104.6, 106.5) | 1.9 | (117.3, 119.3) | 2.0 |
| ति4:14-15 | (107.4, 110.0) | 2.6 | (125.5, 128.0) | 2.6 |
| ति1:15-16 | (106.5, 109.0) | 2.5 | (122.9, 125.6) | 2.6 |

**अनुबंध 2 : कार्य-प्रणाली**

**वर्तमान स्थिति सूचकांक और भावी प्रत्याशा सूचकांक**

मानक मत सर्वेक्षण में, आमतौर पर प्रतिक्रियादातओं को उत्तर देने के लिए तीन विकल्प दिए जाते हैं जैसे - ऊपर /समान /नीचे, अथवा सामान्य से अधिक /सामान्य/ सामान्य से कम; अथवा वृद्धि / समान /कमी। इन तीनों प्रतिशतों की व्याख्या करने की कठिनाई के कारण, सर्वेक्षण के परिणामों को सामान्यतया एक अंक की संख्या में परिवर्तित किया जाता है। सामान्य रूप से इस्तेमाल किया जाने वाला एक तरीका यह है - 'निवल-प्रतिक्रिया (इसे - 'बैलेंसेस' या 'निवल बैलेंसेस भी कहते हैं)। इसे इस प्रकार से परिभाषित किया गया है - प्रतिक्रियादाताओं द्वारा रिपोर्ट किए नई कमी (ऋणात्मक) के प्रतिशत को, वृद्धि (धनात्मक) रिपोर्टिंग प्रतिशत में से घटाना। निवल प्रतिक्रिया का मूल्य - 100 से + 100 हो सकता है। इस सर्वेक्षण में, निवल प्रतिक्रिया का उपयोग उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण परिणामों के विश्लेषण करने के लिए किया गया है। उपभोक्ता विश्वास दृष्टिकोणों को विभिन्न कारकों से जोड़ने के लिए दो प्रकार के सूचकांक प्रयोग में लाए जा रहे हैं। इनमें से एक है वर्तमान स्थिति का सूचकांक जो एक वर्ष पहले की तुलना में वर्तमान स्थिति को प्रस्तुत करते हैं और दूसरा है भावी प्रत्याशा सूचकांक जो एक वर्ष आगे की प्रत्याशा को प्रदर्शित करता है। सूचकांक की गणना के लिए निम्नलिखित फार्मूला का उपयोग किया गया है।

समग्र सूचकांक = 100+ औसत (चयनित कारकों की निवल प्रतिक्रियाएं)

जिसमें निवल प्रतिक्रिया = सकारात्मक दृष्टिकोण (%) - ऋणात्मक दृष्टिकोण (%)

वर्तमान स्थिति सूचकांक की गणना के लिए विभिन्न कारकों से संबंधित वर्तमान दृष्टिकोण की औसत निवल प्रतिक्रिया का उपयोग किया जाता है अर्थात् आर्थिक स्थिति, गृहस्थों की परिस्थितियां, आय, व्यय, मूल्यस्तर और रोजगार।

भावी प्रत्याशा सूचकांक के आकलन के लिए विभिन्न कारकों से संबंधित भावी दृष्टिकोण की औसत निवल प्रतिक्रिया का उपयोग किया जाता है अर्थात् आर्थिक स्थिति, आय, व्यय, मूल्य-स्तर और रोजगार।

---

[1] 2012-13 की दूसरी तिमाही से 2014-15 की तीसरी तिमाही के चक्र तक उपभोक्ता विश्वास सूचकांक (सीएसआई और एफईआई) आर्थिक स्थिति, पारिवारिक परिस्थिति, आय, खर्च, रोजगार स्थिति और मूल्य स्तर संबंधी निवल प्रतिक्रियाओं पर आधारित थे।

[2] 2012-13 की दूसरी तिमाही के चक्र से पहले, सीएसआई आर्थिक स्थिति, पारिवारिक परिस्थिति,आय, खर्च एवं मूल्य स्तर संबंधी निवल प्रतिक्रियाओं पर आधारित था; और एफईआई आर्थिक स्थिति, आय, खर्च, रोजगार स्थिति एवं मूल्य स्तर संबंधी निवल प्रतिक्रियाओं पर आधारित था।